

अज अदालत उपखण्ड अधिकारी

मुकाम रुपवास, जिला भरतपुर

पञ्जारीश

बनाम

राजुवाग परका

किसम मुकदमा

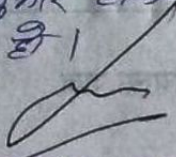
नं.

सन

तारीख हुकम	हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए
14/12/21	<p>पत्रावली पेश हुई। वादी के अधिन उपरो. वादी के अधिन ने अज्ञात कराया कि उकरण नाम बुद्धी से संबंधित है तथा तहसीलदार से रिपोर्ट प्राप्त हो चुकी है अतः वादी का नाम रजनीत सिंह के स्वाम पर पञ्जारीश रायस्व रिकार्ड में उरुस्त किसे जाके की मोग कि है।</p> <p>उकरण का संशोधन में विवरण इस प्रकार है कि ग्राम मोर के आसपी खाता संख्या 349, 348, 347 में निरासत का नामांतरणकरण से वादी का नाम रायस्व रिकार्ड में रजनीत सिंह अंकित हो गया है जबकि वादी का सही नाम पञ्जारीश है। वादी का डाक डिफ्री किया जाकर उपरो. खाता सं. के रायस्व रिकार्ड में रजनीत सिंह के स्वाम पर पञ्जारीश शुद्ध किसे जाके की मोग की है।</p> <p>मेरे द्वारा पत्रावली का अन्वेषण किया गया तथा पत्रावली में संगान इतर किषों का मंगल किया गया नाचब तहसीलदार उपरो. ने अपने पत्र क्रमांक/के.स्य। 2 दिनांक 29-6-18 एवं सरपंच गा.पं. फतेहपुर ने अपने रिपोर्ट में अज्ञात कराया है कि रायस्व रिकार्ड में रजनीत सिंह के स्वाम पर पञ्जारीश शुद्ध कर दिया जाता है जो सही है। ऐसी स्थिति में वादी का वाद पत्र डिफ्री किया जाना न्यायसंगत है।</p> <p>अतः आदेश है कि वादी का वाद पत्र डिफ्री किया जाकर आसपी खाता सं. 347, 348, 349 वाले ग्राम मोर रजनीत सिंह के स्वाम पर पञ्जारीश रायस्व रिकार्ड में शुद्ध किसे जाके के आदेश दिसे जाते हैं अज्ञात</p>	

तारीख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम हुक्म की तामील में जारी हुए
----------------	------------------------------------	--

खाते की वादी के हिस्से की शर्तों PNB बैंक
इन्चार्ज में रहने हैं। अतः वृत्तमभूषण टोने के
प्रख्यात वादी का नाम वृत्तमभूषण टोने के खान
पर पञ्जाबीश वायव्य रिजर्व बैंक में कुच्छ किया जाये
छिछी पर्चा स्थान छोकर शामिल पत्रावली ही
पत्रावली केवल सुचारु होकर नम्बर से कम होकर
शामिल दफ्तर ही।



सहायक फेलोपर
वकील (भरतपुर)